THE HERALD of Christian Science
informal translations from the publications of the Christian Science Publishing Society

दाद का उपचार
Ringworm healed

Author – Puneet Sharma

Christian Science Sentinel Vol 114, No. 25 June 18, 2012

अति कृतज्ञता के साथ मैं एक चिरकालिक समस्या के उपचार के बारे मे बताना चाहता हूँ। पाँच वर्षो से मैं अपने शरीर के कई हिस्सों पर त्वचा के रोग से ग्रस्त था, विशेषतः भीषण गर्मियों तथा सर्दियों में। इस समस्या में, जिसे चिकित्सक ने दाद का नाम दिया था, जो चीज़ मुझे सबसे ज़्यादा परेशान करती थी, वह थे निशान जो इसने मेरे चेहरे पर छोड़ दिए थे। मुझे अपने लिए बहुत संकोच होता था कि मैं कैसा दिखता हूँ।

कुछ समय के लिए मैंने लक्षणों को कुछ हद तक कम करने के लिए दवाई वाली क्रीमों का प्रयोग किया, परन्तु कोई भी स्थायी उपचार नहीं था। मुझे इस समस्या के साथ लगभग एक वर्ष बीत गया था जब मेरी एक दोस्त ने बताया की क्रिश्चियन साँयस स्वस्थ करती है तथा मुझे उसकी शाखा चर्च की एक बुधवार की टैस्टीमोनी मीटिंग में किया। मीटिंग के बाद उसने मुझे मेरी बेकर ऐडी द्वारा लिखित 'साँयस एंड हैल्थ विद् की टू दि स्क्रिपचर्स' की एक प्रति दी। मेरी दोस्त ने मुझे एक क्रिश्चियन साँयस उपचारक से भी मिलवाया, तथा मैं इस समस्या के बारे में उनसे वहीं और उसी समय बात बरने के लिए प्रेरित हुआ। मैं उनकी टिप्पणीः "परन्तु मुझे तुम्हारे चेहरे पर कोई भद्दा निशान दिखाई नहीं देता" पर आश्चर्यचकित था। वह मेरे भौतिक रूप के बारे में नहीं कह रही थी। वह मेरी परमेश्वर की संतान होने के नाते सम्पूर्ण आध्यात्मिक पहचान का ज़िक्र कर रहीं थी। फिर उन्होंने कहा, "परमेश्वर ने तुम्हें सुन्दर बनाया है।"

उसके बाद मैंने चर्च में रविवार की सर्विस तथा बुधवार की टैस्टीमोनी मीटिंग में निष्ठापूर्वक जाना शुरू कर दिया, तथा मैंने क्रिश्चियन साँयस के सरल सत्यों को अपनी रोज़मर्रा की ज़िन्दगी में प्रयोग में लाना शुरू किया। साँयस एंड हैल्थ के पृष्ठ 468 पर "अस्तित्व का वैज्ञानिक कथन" बहुत सहायता देता था जब भी मैं त्वचा की जलन की वजह से सो नहीं पाता था। कुछ समय के बाद उपचारक ने मुझे सुझाव दिया कि मैं परमेश्वर की प्रेम के रूप में बेहतर समझ पाने के लिए कार्य करूं। उन्होंने मुझे साँयस एंड हैल्थ में से कई उपयोगी लेखांश बताए जिनमें से मुझे इसने सबसे अधिक प्रभावित किया: "हर समय तथा हर परिस्थिति में, अच्छाई से बुराई पर विजय पाओ। स्वयं को जानो, तथा परमेश्वर तुम्हें बुराई पर विजय पाने की बुद्धिमता तथा अवसर प्रदान करेगा। प्रेम के कवच में लिपटे हुए, इन्सानी घृणा तुम तक नहीं पहुँच सकती" (पृष्ठ 571)।

* जो शब्द बड़े अक्षरों में लिखे गये हैं वह परमेश्वर के समानार्थक शब्द हैं।

For this translation in English and other translations in [Hindi], please see http://translations.christianscience.com

Translation © 2013 The Christian Science Publishing Society
This translation has been performed by Mother Church members in the Field and made available by agreement with The Christian Science Publishing Society. You may reproduce up to 50 print copies of this Article. You may not sell or reprint this Article in another publication without permission of CSPS. You may not post or embed this Article on other websites; instead please link to the Article on the CSPS website.

अपनी प्रार्थनाओं तथा अध्ययन के द्वारा, मैंने जाना कि मैं अपने परिवार के प्रति नाराज़गी महसूस कर रहा था क्योंकि मैं चाहता था कि वे मेरे साथ और अधिक मैत्रीपूर्ण हों तथा मेरे गुणों की सराहना करके अपना प्रेम अभिव्यक्त करें। इसे मैंने उपचारक को बताया, तथा उन्होंने मुझे **परमेश्वर** पर आश्रित होने के लिए प्रोत्साहित किया, जो हमारा **माता–पिता** है तथा हमें अथाह प्रेम करता है। मैंने साँयस एंड हैल्थ के इस कथन के साथ भी प्रार्थना की: "दिव्य **प्रेम** सभी इन्सानी ज़रूरतों को सदा पूर्ण करता रहा है तथा सदा पूर्ण करता रहेगा" (पृष्ठ 494)।

मैंने चर्च के सदस्यों से प्रेम महसूस करना शुरू किया, विशेषतः उपचारक और उनके पति से। धीरे–धीरे मैं उस प्रेम को समझने तथा महसूस करने लगा जो मेरे परिवार के सदस्यों ने सदा अभिव्यक्त किया, परन्तु जिसे मेरे अहं तथा हीनता की भावना ने स्वीकार करने से रोके रखा। अब मैंने झूठे उपनामो को झाड़ना शुरू कर दिया जो मुझ पर मेरे स्वंय तथा दूसरों के द्वारा। थोपे गए थे। मैंने अपने आध्यात्मिक गुणों को सराहना शुरू किया जिन्हें मैं **परमेश्वर** की संतान होने के नाते अपने अंदर खोज रहा था, तथा दूसरों के गुणों को भी।

मुझे नहीं पता कब, पर वे निशान मेरे शरीर से लुप्त हो गए, केवल मेरे गले तथा कमर के नीचे के हिस्से को छोड़ कर। उसके बाद, उपचारक के निर्देशानुसार, मैंने अपने विचारों को आंकना तथा सुधारना शुरू किया। मुझे पता चला कि मेरे परिवार के सदस्यों का क्रिश्चियन साँयस के प्रति अवरोध मुझे तंग करता था। इससे भी अधिक मेरे घर के कार्यों की वजह से मैं अपने आध्यात्मिक अध्ययन के लिए समय नहीं निकाल पा रहा था। मैंने अपनी समय सारणी को बेहतर योजनाबद्ध करना शुरू किया तथा अपने परिवार को क्रिश्चियन साँयस के फ़ायदों का विश्वास दिलाना बंद किया। अपितु मैंने और अधिक प्रार्थना की तथा "जियो और जीने दो" की शुरूआत की। धीरे–धीरे उन्होंने मेरे कार्यों को सराहना शुरू किया, तथा मैंने अपने सभी कार्यों को उनके सहयोग के साथ किया। अगर कोई प्रतिकूल स्थिति आई भी, तो मैंने उसकी निरर्थकता को देखना तथा उस स्थिति की जगह **परमेश्वर** की सर्वज्ञता को देखना सीखा। यहाँ तक कि मैंने उसके हास्यजनम पहलू को देखा तथा उसका मज़ाक बनाया! मैंने साँयस एंड हैल्थ में "क्रिश्चियन साँयस प्रैक्टिस" के अध्याय को पढ़ने के लिए भी समय निकाला।

मैं 2011 की शुरूआत तक पूर्ण रूप से स्वस्थ हो गया था, तथा वे लक्षण कभी वापिस नहीं आए। हमारे **माता–पिता परमेश्वर** का उसके अनंत आशीषों के लिए, तथा मेरी बेकर ऐडी का इतनी सुन्दर पुस्तक साँयस एंड हैल्थ हमें प्रदान करने के लिए मैं अपनी कृतज्ञता शब्दों में बयान नहीं कर सकता। मैं सम्पूर्ण हृदय से क्रिश्चियन साँयस उपचारक का उनके अतुल्य प्रेम, प्रार्थना से सहायता, धैर्य तथा सहयोग के लिए आभारी, तथा अपने चर्च परिवार का उनके प्रेम के लिए धन्यवादी हूँ। मैं अपने क्रिश्चियन साँयस अध्यापक का भी मुझे प्राथमिक कक्षा निर्देश प्रदान करने के लिए धन्यवाद करता हूँ।

Translation © 2013 The Christian Science Publishing Society
This translation has been performed by Mother Church members in the Field and made available by agreement with The Christian Science Publishing Society. You may reproduce up to 50 print copies of this Article. You may not sell or reprint this Article in another publication without permission of CSPS. You may not post or embed this Article on other websites; instead please link to the Article on the CSPS website.